दिनांक 24 अगस्त 2020 को केन्द्रीय बोर्ड के निदेशकों से संबंधित संक्षिप्त जानकारी

कार्यपालक निदेशक

श्री रजनीश कुमार, अध्यक्ष

श्री रजनीश कुमार, अपनी पदोन्नति से पूर्व, भारतीय स्टेट बैंक में राष्ट्रीय बैंकिंग समूह (एनबीजी) के प्रबंध निदेशक रह चुके हैं। एसबीआई में अपने 39 वर्ष से अधिक के करिअर के दौरान, उन्होंने विभिन्न पदों पर कार्य किए हैं जिनमें प्रबंध निदेशक (अनुपालन एवं जोखिम) शामिल हैं। इससे पूर्व उन्होंने एसबीआई कैपिटल मार्केट्स के प्रमुख के रूप में कार्य किया है, जो एसबीआई समूह की एक निवेश बैंकिंग अनुषंगी है। उन्होंने मिड कॉरपोरेट ग्रुप और प्रोजेक्ट फाइनैंस जैसे बैंक के विभिन्न व्यवसाय समूहों में अनेक पदों पर भी कार्य किया है, वे एसबीआई के उत्तर-पूर्वी मंडल के मुख्य महाप्रबंधक भी रहे हैं। एसबीआई की विदेश स्थित संस्थापनाओं में, उन्होंने एसबीआई कनाडा और उसके बाद एसबीआई की यूके स्थित संस्थापनाओं के क्षेत्रीय प्रमुख की जिम्मेदारी भी संभाली है। श्री कुमार ने भौतिकी (फिजिक्स) से स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त की है।

श्री दिनेश कुमार खारा, प्रबंध निदेशक (ग्लोबल बैंकिंग एवं अनुषंगियां)

श्री दिनेश कुमार खारा को वाणिज्यिक बैंकिंग के सभी कार्यों का 33 वर्ष से अधिक का अनुभव है। श्री खारा, प्रबंध निदेशक के पद पर ग्लोबल मार्केट, कॉरपोरेट बैंकिंग और बैंक की गैर-बैंकिंग अनुषंगियों के व्यवसायों का पर्यवेक्षण संभाल रहे हैं। उन्होंने एफएमएस, नई दिल्ली से एमबीए की डिग्री प्राप्त की है और वे वाणिज्य में स्नातकोत्तर हैं।

श्री अरिजित बसु, प्रबंध निदेशक (वाणिज्यिक ग्राहक समूह)

श्री अरिजित बसु प्रबंध निदेशक के रूप में कॉर्मशियल क्रेडिट एवं आईटी क्षेत्रों से संबंधित कार्यों का प्रबंध संभालते हैं। अर्थशास्त्र में स्नातक और इतिहास में एम.ए. की डिग्री के साथ, श्री बसु ने दिसंबर 1983 में एक प्रोबेशनरी अधिकारी के तौर पर बैंक में अपना करिअर शुरू किया। श्री बसु अगस्त 2014 से मार्च 2018 तक एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी रहे। उनके कार्यकाल के दौरान, इस कंपनी की अक्तूबर 2017 में स्टॉक एक्सचेंज लिस्टिंग हुई। अपने करिअर से पूर्व, श्री बसु एसबीआई में अनेक प्रमुख पदों पर कार्य कर चुके हैं। इनमें दिल्ली मंडल के मुख्य महाप्रबंधक और टोकियो में जापान स्थित संस्थापनाओं के क्षेत्रीय प्रमुख एवं सीईओ भी रहे हैं। उन्होंने कॉरपोरेट बैंकिंग, इंटरनेशनल बैंकिंग, रिटेल बैंकिंग और एचआर सहित बैंक के विभिन्न व्यवसाय समूहों में कार्य किया है। वे बैंक द्वारा शुरू की गई व्यवसाय प्रक्रिया पुनर्संरचना (बीपीआर) का भी पदभार संभाल चुके हैं।

श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी, प्रबंध निदेशक (रिटेल एवं डिजिटल बैंकिंग)

श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी ने भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यभार संभाल लिया है और वे रिटेल एवं डिजिटल बैंकिंग के कार्यों का संचालन करेंगे। वह तनावग्रस्त आस्तियों से संबंधित कार्यों के प्रबंध का अतिरिक्त कार्यभार भी संभालेंगे।

कृषि में विज्ञान स्नातक और भारतीय बैंकर्स संस्थान के प्रमाणित एसोसिएट श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी ने वर्ष 1988 में भारतीय स्टेट बैंक में परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपना करियर शुरू किया था। अपने तीन दशकों के करियर में उन्हें कॉरपोरेट ऋण, रिटेल बैंकिंग और विकसित बाजारों में बैंकिंग का विशद अनुभव प्राप्त है।

प्रबंध निदेशक का कार्यभार संभालने से पहले श्री शेट्टी उप प्रबंध निदेशक के रूप में बैंक के तनावग्रस्त आस्ति समाधान समूह का नेतृत्व कर रहे थे, जहां वे बिजली, इंफ्रा, ऑटो, टेलीकॉम आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में देश भर में बैंक के तनावग्रस्त आस्ति संविभाग के समाधान की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

श्री शेट्टी के भारतीय स्टेट बैंक में प्रमुख पदभारों में कॉरपोरेट लेखा समूह में मुख्य महाप्रबंधक और महाप्रबंधक, वाणिज्यिक शाखा, इंदौर में उप महाप्रबंधक और एसबीआई, न्यूयॉर्क शाखा में वीपी एंड हैड (सिंडिकेशंस) शामिल हैं।

श्री अश्वनी भाटिया, प्रबंध निदेशक- (आईटी एवं तनावग्रस्त आस्ति समाधान समूह)

श्री अश्वनी भाटिया, प्रबंध निदेशक-आईटी एवं एसएआरजी, बैंक की आईटी और तनावग्रस्त आस्ति समाधान समूह (एसएआरजी) संप्रभाग का नेतृत्व करेंगे। श्री भाटिया दयालबाग, आगरा से भौतिकी और गणित में स्नातक हैं और पोद्दार इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, जयपुर से एमबीए हैं। प्रबंध निदेशक के रूप में अपनी नियुक्ति के पूर्व, श्री भाटिया एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी थे। श्री भाटिया को स्टेट बैंक समूह में साढ़े तीन दशक से अधिक का समृद्ध अनुभव है। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड में शामिल होने से पहले वे कॉरपोरेट केंद्र, भारतीय स्टेट बैंक में मुख्य महाप्रबंधक के रूप में कार्य कर रहे थे, जहां उन्हें बैंक की ऋण संरचना और प्रक्रियाओं के पुन: निर्धारण की जिम्मेदारी दी गई थी।

श्री भाटिया ने वर्ष 1985 में एक परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में भारतीय स्टेट बैंक में अपने करियर की शुरुआत की। बैंक में उनके कुछ प्रमुख पदों में मुख्य महाप्रबंधक- एसएमई, महाप्रबंधक (हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, पंजाब और चंडीगढ़ के खुदरा परिचालन प्रमुख) और नेटवर्क बैंकिंग, ऋण, निवेश बैंकिंग और आस्ति प्रबंधन के विभिन्न प्रभार शामिल हैं। उन्होंने बैंक के ट्रेजरी में एक दशक से अधिक समय इक्विटी मार्केट में उप महाप्रबंधक (विदेशी मुद्रा), उप महाप्रबंधक (ब्याज दर), सहायक महाप्रबंधक और मुख्य डीलर के रूप में बिताया है। श्री भाटिया ने दो वर्ष के लिए एसबीआई कैपिटल मार्केट्स के अध्यक्ष और सीओओ के रूप में भी

कार्य किया है।

गैर - कार्यकारी निदेशक

श्री बी. वेणुगोपाल, निदेशक
(जन्म दिनांक : 18 मई 1959)

बी. वेणुगोपाल, 1959 में जन्मे, एसबीआई अधिनियम की धारा 19 (सी) के अंतर्गत शेयरधारकों द्वारा 26 जून 2020 से 25 जून 2023 तक की अवधि के लिए पुनः नियुक्त निदेशक हैं। वे भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के पूर्व प्रबंध निदेशक हैं, जिन्हें एलआईसी में 36 वर्ष और तत्कालीन स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर में 2 साल के कार्य का अनुभव है।

वाणिज्य और लागत लेखा में केरल विश्वविद्यालय के स्नातक, श्री वेणुगोपाल ने राष्ट्रीय बीमा अकादमी-पुणे, आईआईएम-अहमदाबाद और कोलकाता, आईएसबी-हैदराबाद, एशियाई प्रबंधन संस्थान-मनीला और फालिया-जापान से व्यापार रणनीतियों, परियोजना प्रबंध, वित्त, विपणन, सूचना प्रौद्योगिकी आदि में व्यापक प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

एलआईसी में अपने करियर के दौरान उन्होंने प्रशासनिक और विपणन प्रदर्शन के एक उत्कृष्ट ट्रैक रिकॉर्ड के साथ विपणन, प्रशासन और सूचना प्रौद्योगिकी के साथ कार्यकारी निदेशक (सूचना प्रौद्योगिकी), प्रमुख (आईटी/बीपीआर) क्षेत्रीय प्रबंधक (ईएंडओएस), चेन्नई तथा मदुरै व कोयमबत्तूर प्रभागों के वरिष्ठ प्रभागीय प्रबंधक सहित संस्था के कामकाज के सभी क्षेत्रों में व्यापक अनुभव अर्जित किया है।

प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यभार संभालने से पहले, वे एलआईसी के 8 मंडलों में से सबसे बड़े- पश्चिमी क्षेत्र, जिसमें गोवा, गुजरात और महाराष्ट्र राज्य शामिल थे, के प्रभारी मंडल प्रबंधक थे और एलआईसी की प्रीमियम आय का लगभग 25% हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है।

चूंकि एलआईसी अपने सभी सॉफ्टवेयर को इन-हाउस विकसित और बनाए रखता है, इसलिए उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी में व्यापक ज्ञान प्राप्त किया, जिसमें शुरू में प्रोग्रामर, सिस्टम्स एनालिस्ट के रूप में काम किया और बाद में 7 वर्षों के लिए आईटी के प्रमुख के रूप में भी कार्य किया। एलआईसी के कोर बिजनेस सॉल्यूशन (1995-97) की शुरुआत, एलआईसी के कोर एरिया नेटवर्किंग और आईवीआर सिस्टम्स ऑफ एलआईसी (1998), कॉरपोरेट एक्टिव वेयरहाउस (2005), ऑनलाइन प्रीमियम कलेक्शन (2006), एंटरप्राइज डॉक्यूमेंट मैनेजमेंट सिस्टम्स (2007), और ऑनलाइन अंडरराइटिंग इंजन और ऑनलाइन सेल ऑफ पॉलिसीज (2012) की शुरुआत सहित आईटी के क्षेत्र में एलआईसी द्वारा की गई अधिकांश मील का पत्थर वाली पहलों का विकास और कार्यान्वयन करने वाली टीमों का नेतृत्व करना उनका सौभाग्य रहा है। आईटी के प्रमुख के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान एक से अधिक अवसरों पर, एलआईसी ने भारत में बीमा कंपनियों के बीच आईटी के सर्वश्रेष्ठ उपयोगकर्ता के लिए नैसकॉम पुरस्कार जीता है।

2009 से उन्होंने भारत और विदेश के विभिन्न संस्थानों के निदेशक मंडलों तथा नैशनल इंशोरंस अकादमी और भारतीय बीमा संस्थान के प्रबंध मंडल का प्रतिनिधित्व करने के साथ साथ भारतीय जीवन बीमा निगम, भविष्य निधि तथा भारतीय जीवन बीमा निगम स्वर्ण जयंती फाउंडेशन के संरक्षक के रूप में कार्य किया है। वर्तमान में वे भारतीय स्टेट बैंक तथा नैशनल कमोडिटीज एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड (एमसीडीइएक्स) के बोर्ड के स्वतंत्र निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

सीए केतन एस विकमसी
(जन्म तिथि: 30 मार्च 1966)

सीए केतन एस विकमसी 1936 में स्थापित फर्म खिमजी कुवेरजी एंड कंपनी एलएलपी, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स में वरिष्ठ भागीदार हैं, जो एचएलबी इंटरनेशनल की सदस्य फर्म है । वे एचएलबी इंडिया फेडरेशन के अध्यक्ष हैं। वह भारतीय मर्चेंट्स चैंबर की बैंकिंग, वित्त और बीमा समिति, बैंकिंग और वित्त समिति, बॉम्बे चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की पूंजी बाजार समिति और चैंबर ऑफ टैक्स कंसल्टेंट्स की आरआरसी समिति के सदस्य हैं ।

वे आईसीएआई की विभिन्न क्षेत्रीय परिषदों, आईसीएआई, भारतीय रिज़र्व बैंक, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएंडएजी) और कई अन्य संगठनों द्वारा आयोजित विभिन्न सेमिनारों, बैठकों, व्याख्यानों में वक्ता/अध्यक्ष हैं । उन्हें बड़े बैंकों, विनिर्माण संस्थाओं, निवेश बैंकों, बीमा कंपनियों और म्यूचुअल फंड के लेखा-परीक्षा के क्षेत्रों में विशद अनुभव है।

डॉ. गणेश नटराजन
(जन्म तिथि: 18 जनवरी 1957)

डॉ. गणेश नटराजन 5F वर्ल्ड के संस्थापक और अध्यक्ष हैं, जो डिजिटल कौशल और डिजिटल परिवर्तन में वैश्विक परामर्श और निवेश के लिए एक मंच है। वे पुणे सिटी कनेक्ट और सोशल वेंचर पार्टनर्स इंडिया के चेयरमैन भी हैं। उन्हें एनआईटीआईई और आईआईटी बॉम्बे का विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार मिल चुका है। उनके काम पर दो केस स्टडी आईएसबी आईआईएम बेंगलुरु और हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में लिखी और पढ़ाई जा चुकी हैं।

श्री मृगांक परांजपे
(जन्म तिथि: 19 नवंबर 1966)

श्री परांजपे भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम के 19 (सी) के अंतर्गत शेयरधारकों द्वारा 26 जून 2020 से 25 जून 2023 तक के लिए नियुक्त निदेशक हैं। वे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मुंबई से बैचलर इन टेक्नोलॉजी हैं, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद से पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट हैं। उनके पास बैंकिंग और वित्त में मुख्य रूप से पूंजी बाजार, लेनदेन बैंकिंग, परिचालन और प्रौद्योगिकी में एक्सचेंज, बैंकिंग, परिसंपत्ति प्रबंधन और स्टॉक ब्रोकिंग में

30 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्हें पूरे एशिया में प्रतिभूति सेवाओं में महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय अनुभव रहा है । वे अल्फा ऑलटरनेटिव्स में सीनियर पार्टनर हैं और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं। इससे पहले वे सिंगापुर और भारत में ड्यूश बैंक में वरिष्ठ प्रबंधन पदों पर रहे। उन्होंने इससे पहले आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी और सिटी बैंक के साथ अन्य लोगों के बीच काम किया है।

डॉ. पुष्पेन्द्र राय
(जन्म दिनांक : 02 जून 1953)

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (डी) के तहत 28 जनवरी 2016 से केन्द्र सरकार द्वारा नामित निदेशक हैं। उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में कार्य का लगभग 38 वर्ष का अनुभव है।

वे 21 वर्षों से अधिक तक भारतीय प्रशासनिक सेवा के सदस्य रहे। इस दौरान वे नीति निर्माण, कार्यक्रम और बजट की तैयारी, कार्यान्वयन कार्यनीतियों का निर्धारण, कार्यान्वयन की निगरानी, ग्रामीण और औद्योगिक विकास एजेंसियों जैसे अनेक प्रकार के संस्थानों के स्टाफ के निष्पादन का मूल्यांकन, बिजली उत्पादन और वितरण विभाग, पेट्रोलियम कंपनियों और बौद्धिक संपदा कार्यालयों से जुड़े रहे। उन्होंने यूएनडीपी/डब्ल्यूआइपीओ के राष्ट्रीय परियोजना निदेशक, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान की गवर्निंग कौंसिल के सदस्य, विदेशी निवेश उन्नयन परिषद् के सदस्य सचिव, राष्ट्रीय नवीकरण निधि के कार्यपालक निदेशक, डब्ल्यूटीओ/डब्ल्यूआइपीओ में राष्ट्रीय वार्ताकार और क्वालिटी कौंसिल ऑफ इंडिया के महासचिव के तौर पर भी कार्य किया है।

बाद में, डॉ. राय ने वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गेनाइजेशन, जिनेवा (संयुक्त राष्ट्र संघ) में 16 वर्ष तक कार्य किया। वहाँ तकनीकी सहयोग बढ़ाने, बौद्धिक संपदा के आर्थिक पहलुओं का उन्नयन और आस्ति सृजन, विकास एजेंडा प्रक्रिया का नेतृत्व और सिंगापुर में एशिया प्रशांत क्षेत्रीय कार्यालय की अध्यक्षता जैसे अनेक कार्य संपन्न किए।

डॉ. राय ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली से पीएच.डी. और हार्वर्ड विश्वविद्यालय तथा लखनऊ विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त की है। विश्व के विभिन्न भागों में उन्होंने अनेक व्याख्यान दिए हैं।

डॉ. पूर्णिमा गुप्ता
(जन्म दिनांक : 20 नवंबर 1949)

डॉ. पूर्णिमा गुप्ता भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (डी) के तहत 01 फरवरी 2018 से तीन वर्ष के लिए केन्द्र सरकार द्वारा नामित निदेशक हैं। वे दिल्ली विश्वविद्यालय में गणित की प्रोफेसर हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से गणित विषय में पीएचडी की है। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्याल में बीएससी (गणित) तथा एमए (गणित) दोनों में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है। उनका मुख्य योगदान "डोमिनेशन इन ग्राफ एण्ड हाइपर ग्राफ" सिद्धांत, ग्राफोडियल कवर्स तथा "पार्टिशन ग्राफ" के क्षेत्र में है।

श्री संजीव महेश्वरी
(जन्म तिथि: 26 अगस्त, 1964)

श्री संजीव महेश्वरी भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (डी) के अनुसार केंद्रीय सरकार द्वारा 20 दिसंबर, 2019 से 3 वर्षों की अवधि के लिए नामित एक निदेशक हैं।

श्री महेश्वरी एक चार्टर्ड अकाउंटेंट और दिवालियापन मामलों के पेशेवर विशेषज्ञ हैं। ये लेखा-परीक्षा, कराधान और प्रबंधन परामर्श के क्षेत्र में 33 वर्षों से अधिक का अनुभव रखते हैं। ये भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान की केंद्रीय परिषद के 9 वर्षों से सदस्य हैं, और आईसीएआई के अकाउंटिंग स्टैंडर्ड्स बोर्ड के 3 वर्षों से अध्यक्ष हैं। इस दौरान भारतीय लेखा मानक बनाने में भी इनका योगदान रहा है। ये आईसीएआई की अधिकांश तकनीकी समितियों के अध्यक्ष या सदस्य रहे हैं। ये कार्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा गठित गुणवत्ता समीक्षा बोर्ड के एक सदस्य भी रहे हैं और दक्षिण एशियाई लेखाकार परिसंघ की अनेक समितियों के एक सदस्य भी रहे हैं।

श्री देबाशीष पांडा
(जन्म दिनांक : 05 जनवरी 1962)

श्री देबाशीष पांडा भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (ई) के तहत 24 जनवरी 2020 से अगले आदेश तक केन्द्र सरकार द्वारा नामित निदेशक हैं। वे भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवाएं विभाग में सचिव हैं। वे यूपी कैडर के 1987 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। वे ओडिशा राज्य से हैं। वे 23.3.2018 को वित्तीय सेवाएं विभाग में अपर सचिव के रूप में शामिल हुए थे और 13.12.2019 को उन्हें विशेष सचिव के रूप में पदोन्नत किया गया। वे भौतिकी, विकास प्रबंध विज्ञान में पोस्ट ग्रेजुएट हैं और उन्होंने पर्यावरण विज्ञान में एम फिल की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने विदेश में यूएसए और फिलीपींस से लोक प्रशासन में प्रशिक्षण भी लिया है।

वर्ष 1987 में सरकारी सेवा ग्रहण करने के बाद वे उत्तर प्रदेश सरकार में अनेक प्रमुख पदों जैसे देवरिया, टिहरी, उत्तरकाशी और गाजियाबाद के जिला मजिस्ट्रेट और प्रधान सचिव (गृह एवं सामान्य प्रशासन) के पदों पर कार्यरत रहे हैं। वे भारत सरकार में संयुक्त सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में उप निदेशक (प्रशासन) के पदपर भी सेवारत रहे हैं। वित्तीय सेवाएं विभाग के अपर सचिव का पदभार ग्रहण करने के पहले उनके पास दिल्ली में यूपी के रेज़िडेंट कमिशनर के साथ साथ मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण का दोहरा पदभार था।

श्री चंदन सिन्हा
(जन्म दिनांक: 15 अगस्त 1957)

श्री चंदन सिन्हा भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (एफ) के तहत आरबीआई की संस्तुति पर 28 सितंबर 2016 से अगले आदेश तक केंद्र सरकार द्वारा नामित निदेशक हैं। श्री

चंदन सिन्हा सीएएफआरएएल, मुंबई में अपर निदेशक हैं।